

फर्द अहकाम

नियम (26)

किस मुकदमा नं. 136 CR. ACT मुकाम जपावन
 बनाम सरदार
 नं. 123 सन् 2014

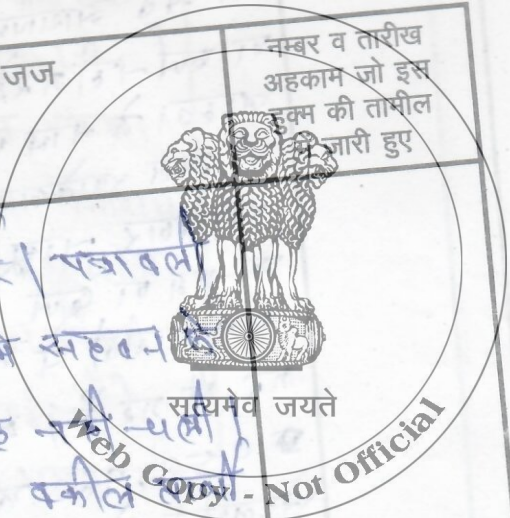
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
 अहकाम जो इस
 हुकम की तारीख
 जारी हुए

तारीख हुकम

13/3/2018

पत्रावली सिंगोह के तलब हुई। पत्रावली
 या अक्लौतन मिया पत्रावली ने सहमत
 आदेशिका 14.3.2015 के तहत पत्रावली
 मंगल सार्वी वारिस। वारिस वकील
 ने निवेदन मिया की पत्रावली सिंगोह के पत्रा
 पावे वकील सार्वी के निवेदन को स्वीकार कर
 पत्रावली नूनः नम्बर मे ली जाती है।
 पत्रावली पेदा हुई। पत्रावली या अक्लौतन
 मिया। सिंगोह मे मामला हरब तदार है
 छे मौजा पीवी खेज पं ६० पमला तहसील
 गपावन की आंख ५५२, ५५३ कुल
 मिला २ कुल रकबा २.१० हे० वरिगत मे
 नायू लाल, मोहन लाल पिता गंगाराम २१३
 हरिद्वार, ओम शारा, विनेका-चन्द्र, सुरेका
 चन्द्र, प्रेम देवी, गीता वारि पिता रामविमान
 दु. नारायणी वारि पत्नी रामविमान १३ बाहना
 खारिन पमला के स्वतेशरी से दर्ज है।
 यह छि उपर लाल आंख ५५२, ५५३
 के लालिठ आंख १५१ रकबा ३ बीजा
 ६ बीजा तथा आंख १६० रकबा १० बीजा
 ११ बिस्ता स्थित है जो उपर दठे केरगी से
 स्थित है। यह छि लालिठ आंख १५१,
 १६० के स्वतेशर नायू लाल, मोहन लाल,
 रामविमान पिता गंगाराम बाहना से तथा
 उपर आम्पियात से छे १३ बिस्ता नायू लाल



पंचक गोयल

सं. 1727 दिनांक 14.5.1993 को जारी नमूना-
नाम पिता नायू लाल के नाम पर जितना कुल
करके ही हो चुका था।

यह कि वक्त सेलमेन्ट कर्मचारियों की गलती
से इतक आशयित 11 इच्छित से तावकी के नाम
या दर्ज नहीं करके पुनः नायू लाल पिता गंगाधर
बाबू के नाम पर ही दर्ज कर दी गई जो आज
भी इतक खातेदार के नाम पर दर्ज है। पत्र
खातेदार नायू लाल के लजाम तावकी कन्हैयालाल
के नाम पर दर्ज करनी चाहिए थी। तथा सेलमेन्ट
कर्मचारियों ने अवगत गलती से बालक प्रविष्ट
कर ही गई है। यह कि खातेदार आ० न०
959, 960 नाम पंजाब में दर्ज थे लेकिन
सेलमेन्ट के समय खातेदार नाम प्योवी खेडा
प्रोविन्ट हो जाने के कारण इतक खातेदार आ० न०
959, 960 के जो-से क्रम 452, 453
वने हैं। अतः तावकी है कि तावकी का सा.प.
स्वीकार फरमाया जाकर मौजा प्योवी खेडा की
आ० न० 452 खाता 1.87 है, आ. न 453
खाता 1.03 है। कुल मिला 2 कुल खाता 2.90
है। ये खातेदार खाते के अनुसार खातेदार
नायू लाल के लजाम तावकी कन्हैया लाल
पिता नायू लाल के नाम दर्ज किए जाने का
आदेश प्रमाणित है। इतक के सम्बन्ध
में पञ्जाब प्रोविन्ट सरकार द्वारा तब तक
का सा.प. के तथ्यों को स्वीकार
करते हैं। खातेदार आ० न० 959, 960
के हाल में $\frac{452}{1.87}$ व $\frac{453}{1.03}$ में नायू लाल
की वसीयत सा. न० अमल नहीं होकर
नायू लाल का नाम आ गया। अतः सा. न०
1727 दि. 14.5.93 का नाम प्योवी खेडा
की आ० न० $\frac{452}{1.87}$, $\frac{453}{1.03}$ में नायू लाल
के लजाम कन्हैया लाल पु नायू लाल का
नाम दर्ज होना चाहिए। अपने सा.प.

12

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

व पक्ष सा.प. का अक्लान रिपा ।
 सा.प. लीगा रहते रहे नियम रिपा
 पाता है - छे मीजा खेरी खेग ए० ए०
 पमाना तहसील मपान नी आ० छे
 ५५२, ५५३ कुल विला २ कुल खरवा
 २.५० हे० मे छे राजू बाल पिता गंगाराम
 के लजाय कन्हैया काल पिता राधु बाल
 नाम छे रिपे जाने का आदेश रिपा
 पाता है तहनुवार राधु बाल बेगा रि
 अत्रेन हो, सोम मस्तुर रहे । पचावली
 के लल कुमा होकर ममा के म हो ।
 आदेश जुना मपा।

(अभिषेक गोयल)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी, कपासमं
 जिला-त्रिलोङ्गद (राज.)



सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official